भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-40
उत्तर देने की तारीख-01/12/2025

सरकारी स्कूलों में सीखने के स्तर का पता लगाने हेतु पहल

†40. श्री खलीलुर रहमान:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केंद्र सरकार के स्कूलों में सीखने के स्तर का पता लगाने के लिए कोई पहल की है, यदि हाँ, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ख) क्या सरकार ने देश में केंद्र सरकार के स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के नामांकन और लिंग जनसांख्यिकी का पता लगाने के लिए कोई पहल की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) देश में बच्चों के लिए कौशल प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) केन्द्र सरकार के स्कूल नामतः केन्द्रीय विद्यालय (केवि) और जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के अधीन हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) और नवोदय विद्यालय समिति (नविस) सभी केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में छात्रों के अधिगम स्तरों का पता लगाने के लिए नियमित और व्यवस्थित मूल्यांकन करते हैंऔर सतत आधार पर छात्र अधिगम परिणामों की निगरानी और सुधार करने के लिए कई पहलें की हैं, जिनमें राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस)/समग्र विकास के लिए ज्ञान का निष्पादन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) जैसे राष्ट्रीय मूल्यांकनों में सक्रिय भागीदारी के साथ-साथ सीबीएसई द्वारा आयोजित अधिगम विश्लेषण के लिए संरचित मूल्यांकन (सफल) शामिल है।प्रगति की निगरानी के लिए सभी केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में आंतरिक अधिगम उपलब्धि परीक्षण भी आयोजित किए जाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, केविसं और नविस ने भी योग्यता-आधारित

शिक्षा (सीबीई) को लागू किया है, जो मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, अनुभवात्मक शिक्षा और उच्च-क्रम दक्षताओं पर केंद्रित शिक्षाशास्त्र और आकलन को एकीकृत करता है।इसके अतिरिक्त, वांछित शिक्षण परिणामों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए आईसीटी-एकीकृत शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं, अनुभवात्मक शिक्षा, कला-एकीकृत शिक्षण और खिलौना-आधारित शिक्षा को अपनाया गया है।

(ख) केंद्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में छात्रों का वर्तमान नामांकन इस प्रकार है

जेंडर	केवि	जनवि
लड़के	728620 (53.14%)	180677 (57.57%)
लड़कियाँ	642563 (46.86%)	133162 (42.43%)
कुल नामांकन	**1371183**	**313839**

(ग) एनईपी 2020 के तहत, कक्षा VI-VIII के लिए व्यावसायिक शिक्षा खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षा के माध्यम से प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य पूर्व-व्यावसायिक कौशल विकसित करना, छात्रों को विभिन्न प्रकार के कार्यों से परिचित कराना और सभी प्रकार के कार्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। वर्ष 2024-25 के लिए, कक्षा VI-VIII में कौशल प्रदर्शन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 81.90 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कुल 1,08,418 स्कूल 60.88 लाख से अधिक छात्रों को कवर कर रहे हैं। कक्षा VI-VIII के छात्रों के लिए 10 दिवसीय बैगलेस गतिविधि आयोजित की जाती है, जिसके दौरान बढ़ई, माली, कुम्हार, कलाकार और अन्य जैसे स्थानीय विशेषज्ञों के साथ इंटर्नशिप की जाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान 10-दिवसीय बैगलेस गतिविधि में कुल 2.24 करोड़ छात्रों ने भाग लिया है।

समग्र शिक्षा के व्यावसायिक शिक्षा घटक के अंतर्गत इस योजना के तहत शामिल स्कूलों में कक्षा IX से XII तक के छात्रों को राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ़) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।माध्यमिक स्तर (कक्षा IX और X) पर, व्यावसायिक मॉड्यूल एक अतिरिक्त विषय के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (कक्षा XI और XII) पर, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अनिवार्य वैकल्पिक विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।वर्तमान में, कक्षा IX से XII के छात्रों के लिए कौशल विषयों के रूप में शुरू करने के लिए 138 नौकरी भूमिकाओं को अनुमोदन दिया गया है।इस योजना के तहत कुल 36,465 स्कूलों को अनुमोदन दिया गया है, जिनमें से 35.56 लाख छात्रों के नामांकन के साथ 25,140 स्कूलों में कौशल शिक्षा लागू की गई है।

*****